परमेश्वर ने अपनी प्रजा को दासत्व से छुड़ाया

इस अध्ययन से पहले न0 पी 2 बी 1 तथा पी 2 बी 2 पढ़ें

1. निर्गमन के विषय पढ़ने के लिये प्रार्थना द्वारा तथा परमेवर के वचन द्वारा तैयारी कीजिये।

प्रार्थना: हे परमेश्वर जब आपने अपनी प्रजा को मिस्र के राजा फिरौन व उसकी सेना से छुड़ाने के लिये मूसा को प्रयोग किया तो जैसा साहस, विश्वास और आज्ञापालन मूसा में था, वैसा ही हमें भी दीजिये। हम आप पर भरोसा रखते हैं कि आप लोगों को अपने राज्य में सम्मिलित करने के लिये आज भी महान आश्चर्यकर्म कर सकते हैं, प्रभु यीशु के नाम में लोगों को चंगाई दीजिये और उनके जीवन परिवर्तित कीजिये।

निर्गमन की पुस्तक से पहला अध्याय पढ़िये व ज्ञात कीजिये कि दुष्ट राजा फिरौन छोटे लड़कों को क्यों मरवाना चाहता था? जब यीशु का जन्म हुआ तो ऐसी ही क्या घटनाएं घटीं? (मत्ती 2:13-16)

निर्गमन 2:1-10 पढ़ें व ज्ञात करें कि किसने बालक मूसा को बचाया था?

निर्गमन 2:11-15 में ज्ञात करें कि मूसा बाद में मिद्यान क्यों भाग गया था और वहां उसके साथ क्या हुआ?

निर्गमन अध्याय 3 में ज्ञात करें कि जलती-झाड़ी के बीच से परमेश्वर ने मूसा को क्या करने को कहा?

निर्गमन अध्याय 5 में ज्ञात करें कि मूसा और फिरौन के मध्य तथा मूसा और उसे अपने लोगों के मध्य किन बातों में वाद-विवाद हुआ?

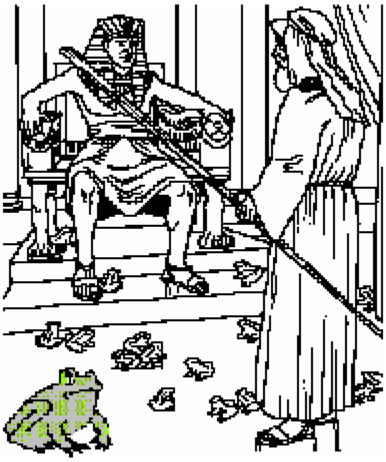

निर्गमन अध्याय 6–11 पढ़कर ज्ञात कीजिये कि परमेश्वर ने किस प्रकार दस विपत्तियां भेजकर मिस्र के राजा पर दबाव डाला कि वह उसकी प्रजा को स्वतन्त्र कर दे और किस प्रकार अंतिम विपत्ति सबसे भयंकर थी।

निर्गमन अध्याय 12 में ज्ञात कीजिये कि परमेश्वर ने कौन सा पर्व ठहराया और क्यों इस्राएलियों ने अपने घरों की चौखटों व दरवाज़ों पर लहू लगाया।

मत्ती 16:17–28 पढ़कर ज्ञात कीजिये कि यीशु ने जब प्रभु–भोज की स्थापना की तो वे कौन सा पर्व मना रहे थे?

निर्गमन अध्याय 14 द्वारा ज्ञात कीजिये कि परमेश्वर की प्रजा किस प्रकार मिस्री सेना से बची?

पुराने नियम का सबसे महत्वपूर्ण आश्चर्यकर्म यह था कि जब परमेश्वर ने लाल–सागर में इस्राएलियों के लिये मार्ग बनाया था कि वे मृत्यु से बच सकें। परमेश्वर ने इसी घटना के आधार पर जो प्रभु यीशु मसीह के आने से लगभग 1500 वर्ष पूर्व घटी थी, अपनी पुरानी वाचा इस्राएल से बांधी थी।

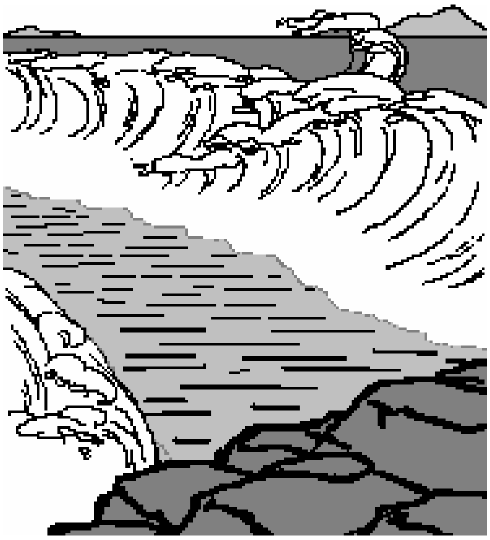

परमेश्वर की प्रजा ने नील नदी का क्षेत्र तथा लालसागर पार किया और सीनै पर्वत तक आ पहुंचे जहां मूसा ने उन्हें परमेश्वर की पुरानी व्यवस्था दी।

नीचे नक्शे में मिस्र से निकलते समय इस्राएल का मार्ग दिखाया गया है

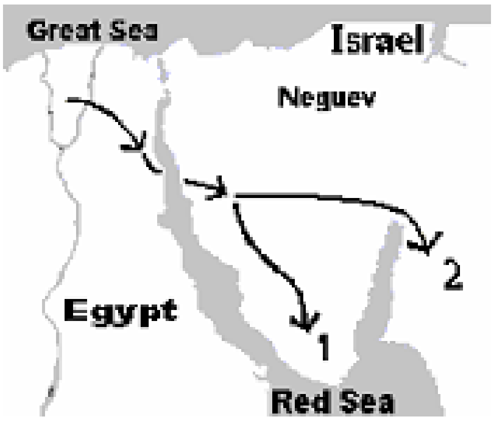

निर्गमन अध्याय 16 में ज्ञात कीजिये कि लोगों की क्या शिकायत थी और परमेश्वर ने उन्हें कौन सी दो वस्तुएं खाने को दीं?

निर्गमन 17:1–13 पढ़ें व ज्ञात करें :

- लोगों ने दुबारा क्यों शिकायत की और परमेश्वर ने उनके लिये क्या प्रबन्ध किया?
- हारून और हूर को मूसा के हाथ क्यों थामने पड़े?

निर्गमन अध्याय 18 में ज्ञात करें कि मूसा ने किस प्रकार लोगों को व्यवस्थित किया?

2. अपने सहयोगियों के साथ सप्ताह में की जाने वाली गतिविधियों की योजना बनाएं

- यित्रो के परामर्शानुसार योग्य व गुणी चरवाहे नियुक्त करते हुए कलीसियाएं स्थापित करें व छोटे समूह बनाएं।
- नये चरवाहों को प्रशिक्षित करें कि वे अपने झुण्ड को निर्गमन की पुस्तक से इन बातों को सिखाएं।
- इन अगुवों को कहें कि वे आवश्यकताग्रस्त लोगों व बीमारों की सुधि लें, उन्हें सांत्वना दें व उनके लिये प्रार्थना करने जाया करें।

3. अपने सहयोगियों के साथ आगामी आराधना की तैयारी करें व योजनाएं बनाएं:

ऐसी गतिविधि का चुनाव करें जो लोगों की आवश्यकतानुसार हो।

भाग-1 में जो कुछ सीखा है उसकी कुछ घटनाओं का वर्णन करें या उन पर नाटक प्रस्तुत करें।

समझाएं कि इस्राएलियों ने अपने घर के दरवाज़ों पर लहू क्यों लगाया था। और यह भी समझाएं कि फसह का पर्व प्रभु भोज से किन बातों में समानता रखता है।

समझाएं कि दुष्ट राजा फिरौन, बाइबल के शैतान का चित्र है?

- शैतान की भांति फिरौन में महाशक्ति थी जिसने लोगों को बन्धुआई में रखा।
- जिस प्रकार परमेश्वर ने इस्राएल को फिरौन व उसकी सेनाओं की बन्धुआई से छुड़ाया था, उसी प्रकार प्रभु यीशु लोगों को शैतान और उसकी दुष्टात्माओं की सेना की बन्धुआई से छुड़ाता है।
- ऐसे लोगों के लिये प्रार्थना करें जिन्हें ख्रीस्त द्वारा पाप व दुष्टात्मा से छुड़ाए जाने की आवश्यकता है।
- जो तैयारी बच्चों ने की है उसको प्रस्तुत करने का अवसर दीजिये।
- प्रभु-भोज के लिये पढ़ें निर्गमन 12:3 तथा व्याख्या करें।
- इस्राएली लोग फसल-पर्व मनाने के लिये, मेम्ना बलि करते व उसे खाया करते थे।
- परमेश्वर का दूत मिस्र के प्रत्येक घर में गया और प्रत्येक पहिलौठे पुत्र को मार दिया परन्तु जिन घरों की चौखटों पर लहू लगा था उन घरों के पहिलौठे पुत्र सुरक्षित बचे रहे।

- यीशु परमेश्वर का मेम्ना है जो जगत का पाप उठा ले जाता है।
- चूंकि यीशु जगत में आया और बलिदान हुआ, इसलिये प्रभु–भोज हमारा फसह–पर्व है।

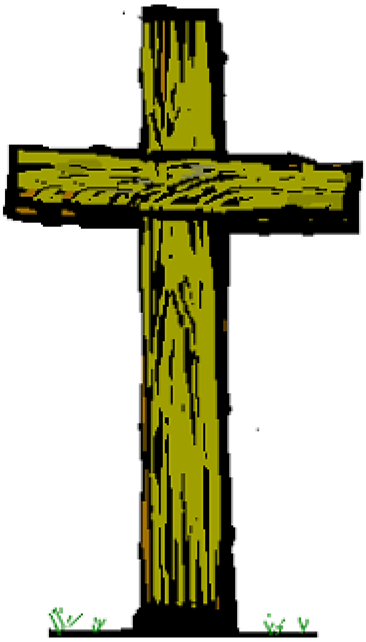

प्रत्येक विश्वासी को साक्षी देना चाहिये कि किस प्रकार प्रभु–भोज विधि में सम्मिलित होकर उन्हें यीशु के बलिदान को स्मरण रखने में सहायता मिलती है।

एक दूसरे के लिये प्रार्थना करने व दूसरों को शैतान के दासत्व से बचाने की योजना बनाने के लिये, दो दो या तीन तीन लोगों के समूह बनाएं।

कलीसिया के पुरूष निर्गमन 15:18–19, एवं महिलाएं पद 20–21 कंठस्थ करें।

Copyright 2003 © by Paul-Timothy. May be freely copied. Download from www.Paul-Timothy.net